

॥ नामरामायणम् ॥

॥ बालकाण्डः ॥

शुद्धब्रह्मपरात्पर
कालात्मकपरमेश्वर
शेषतल्पसुखनिद्रित
ब्रह्माद्यमरप्रार्थित
चण्डकिरणकुलमण्डन
श्रीमद्वारथनन्दन
कौसल्यासुखवर्धन
विधामित्रप्रियधन
घोरताटकाधातक
मारीचादिनिपातक
कौशिकमखसंरक्षक
श्रीमद्हल्योद्धारक
गौतममुनिसम्पूजित
सुरमुनिवरगणसंस्तुत
नाविकधावितमृदुपद
मिथिलापुरजनमोहक
विदेहमानसरञ्जक
ऋम्बककार्मुखभञ्जक
सीतार्पितवरमालिक
कृतवैवाहिककौतुक
भार्गवदर्पविनाशक
श्रीमद्योद्यापालक

राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

॥ अयोध्याकाण्डः ॥

अगणितगुणगणभूषित
अवनीतनयाकामित
राकाचन्द्रसमानन
पितृवाक्याश्रितकानन
प्रियगुहविनिवेदितपद
तत्क्षालितनिजमूढुपद
भरद्वाजमुखानन्दक
चित्रकटाद्रिनिकेतन

राम

दशरथसन्ततचिन्तित
कैकेयीतनयार्थित
विरचितनिजपितृकर्मक
भरतार्पितनिजपादुक

राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

॥ अरण्यकाण्डः ॥

दण्डकावनजनपावन
दुष्टविराधविनाशन
शरभङ्गसुतीक्षणार्चित
अगस्त्यानुग्रहवर्धित
गृध्राधिपसंसेवित
पञ्चवटीतटसुरिथत
शूर्पणखार्त्तिविद्यायक
खरदूषणमुखसूदक
सीताप्रियहरिणानुग
मारीचार्त्तिकृताशुग
विनष्टसीतान्वेषक
गृध्राधिपगतिदायक
कबन्धबाहुच्छेदन
शबरीदत्तफलाशन

राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

॥ किष्किन्धाकाण्डः ॥

हनुमत्सेवितनिजपद
नतसुयीवाभीष्ट
गर्वितवालिसंहारक
वानरदूतप्रेषक
हितकर्मलक्ष्मागंगत

राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

राम
राम
राम
राम
राम

॥ सुन्दरकाण्डः ॥

कपिवरसन्ततसंस्मृत
 तद्रुतिविद्धध्वंसक
 सीताप्राणाधारक
 दुष्टदशाननदूषित
 शिष्ठहन्मद्रुषित
 सीतावेदितकाकावन
 कृतचूडामणिदर्शन
 कपिवरवचनाश्वासित
 राम राम जय राजा राम।
 राम राम जय सीता राम॥

॥ युद्धकाण्डः ॥

रावणनिधनप्रस्थित
वानरसैन्यसमावृत
शोषितसरदीशार्थित
विभीषणाभयदायक
पर्वतसेतुनिबन्धक
कुम्भकर्णशिरश्छेदक
राक्षससञ्जिविमर्दक
अहिमहिरावणचारण
संहृतदशमुखरावण
विधिभवमुखसुरसंस्तुत
खःस्थितदशरथवीक्षित
सीतादर्शनमोदित
अभिषिक्तविभीषणनत
पुष्यकयानारोहण
भरद्वाजाभिनिषेवण
भरतप्राणप्रियकर
साकेतपुरीभूषण
सकलस्वीयसमानत
राल्लसत्पीठास्थित

राम

पद्माभिषेकालङ्कृत
पार्थिवकुलसम्मानित
विभीषणार्पितरञ्जक
कीशकुलानुग्रहकर
सकलजीवसंरक्षक
समस्तलोकाधारक

राम राम जय राजा राम ।
राम राम जय सीता राम ॥

॥उत्तरकाण्डः ॥

आगतमुनिगणसंस्तुत
विश्रुतदशकण्ठोद्दत्व
सितालिङ्गननिर्वृत
नीतिसुरक्षितजनपद
विपिनत्याजितजनकज
कारितलवणासुरवध
स्वर्गतशम्बुकसंस्तुत
स्वतनयकुशलवनन्दित
अश्वमेधक्रतुदीक्षित
कालवेदितसुरपद
आयोध्यकजनमुक्तिद
विधिमुखविबुधानन्दक
तेजोमयनिजरूपक
संसृतिबन्धविमोचक
धर्मस्थापनतत्पर
भक्तिपरायणमुक्तिद
सर्वचराचरपालक
सर्वभवामयवारक
वैकुण्ठालयसंस्थित
नित्यानन्दपदस्थित

राम राम जय राजा राम।
राम राम जय सीता राम॥

॥ इति श्रीलक्ष्मणाचार्यविरचितं नामरामायणं सम्पूर्णम् ॥



वैदेहीसहितं सुरद्गुमतले हैमे महामण्डपे
 मध्ये पुष्पकमासने मणिमये वीरासने सुस्थितम्।
 अग्रे वाचयति प्रभञ्जनसुते तत्त्वं मुनिभ्यः परं
 व्याख्यान्तं भरतादिभिः परिवृतं रामं भजे श्यामलम्॥

 वामे भूमिसुता पुरश्च हनुमान् पश्चात् सुमित्रासुतः
 शत्रुघ्नो भरतश्च पार्श्वदलयोर्वाच्चादिकोणेषु च।
 सुग्रीवश्च विभीषणश्च युवराट् तारासुतो जाम्बवान्
 मध्ये नीलसरोजकोमलरुचिं रामं भजे श्यामलम्॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:
http://stotrasamhita.net/wiki/Nama_Ramayanam.

 generated on November 23, 2025

Downloaded from  <http://stotrasamhita.github.io> |  StotraSamhita | Credits